प्रादर्श प्रश्न पत्र 2013

विषय – हिन्दी (विशिष्ट)

कक्षा – दसवीं

सेट–डी

समय– 3 घंटे **पूर्णांक– 100**

निर्देश–

1. सभी प्रश्न अनिवार्य है।
2. प्रश्न क्र. 1 से 5 तक वस्तुनिष्ठ प्रश्न दिए है। प्रत्येक प्रश्न के लिए 1 x 5 x 5 = 25 अंक निर्धारित है।
3. प्रश्न क्र. 6 से 16 तक प्रत्येक प्रश्न हेतु 2 अंक निर्धारित है।
4. प्रश्न क्र. 17 से 19 तक प्रत्येक का उत्तर 30 से 75 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 3 अंक निर्धारित है।
5. प्रश्न क्र. 20 से 25 तक प्रत्येक का उत्तर 75 से 120 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 4 अंक निर्धारित है।
6. प्रश्न क्र. 26 से 27 तक प्रत्येक का उत्तर 120 से 150 शब्दों में लिखिए। प्रत्येक प्रश्न हेतु 5 अंक निर्धारित है।
7. प्रश्न क्र. 28 का उत्तर लगभग 200 से 250 शब्दों में निर्धारित है इसके लिए (7+3) 10 अंक निर्धारित है। जिसमें अ में 7 अंक एवं ब में 3 अंक।

प्रश्न 1. निम्नलिखित रिक्त स्थानों की पूर्ति उचित शब्द का चयन कर कीजिए।

(i) सूरदास.....के शिष्य थे

(वल्लभाचार्य / परमानन्द)

(ii) कामायनी.....एक है।

(महाकाव्य / खण्डकाव्य)

(iii) निन्दा रस नामक निबंध में.....तत्व की प्रधानता है।

(हास्य / व्यंग्य)

(iv) सरदार सुजान सिंह .....के दीवान थे।

(रामगढ़ / देवगढ़)

(v) द्विवेदी युग के निबंधकार.....है।

(महावीर प्रसाद द्विवेदी / रामचन्द्र शुक्ल)

प्रश्न 2. निम्नलिखित कथनों के लिए सही विकल्प चुनकर लिखिए :–

(अ) प्रकृति के सुकुमार कवि है –

(क) निराला (ख) पंत

(ग) प्रसाद (घ) महादेवी वर्मा

(ब) आधुनिकता होती है –

(क) स्थिर (ख) अचूक

(ग) गतिशील (घ) चपल

(स) मेवाड़ के नरेश है –

(क) वीरसिंह (ख) महाराणा लाखा

(ग) अभय सिंह (घ) हेमूराव

(द) दीपक की आत्मकथा में कुम्हार को कहा गया है –

(क) शिष्य (ख) गुरू

(ग) विद्वान (घ) मूर्ख

(इ) वैदिक ऋचाये होती है –

(क) मातायें (ख) ऋषिमुनि

(ग) बेटियां (घ) कोमलें।

प्रश्न 3. स्तंभ 'अ' के लिए स्तंभ 'ब' से चुनकर सही जोड़ी बनाइये–

1. सेवाग्राम – तत्पुरूष समास

2.	सोलह कलाओं के अवतार	–	महात्मा गांधी
3.	देशभक्ति	–	श्रीकृष्ण
4.	सूफी संत कवि	–	मैला आंचल
5.	प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास	–	जायसी

प्रश्न 4. निम्नलिखित वाक्यों में सत्य/असत्य बताइये –

1. बिहारी रीतिकाल के कवि है।
2. रक्षाबंधन पारिवारिक कहानी है।
3. वीर रस का स्थायी भाव निर्वेद है।
4. दो वर्णों के मेल को संधि कहते है।
5. पारस में लोहे को सोने में बदलने का गुण होता है।

प्रश्न 5. निम्न प्रश्नों के एक वाक्य में उत्तर दीजिए

1. भगिनी निवेदिता किसकी शिष्या थी?
2. अमरकंटक शब्द संस्कृत में किस शब्द से बना है?
3. बिना विचारे काम करने से क्या होता है?
4. हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग किसे कहते है?
5. जिसके समान कोई दूसरा न हो?

प्रश्न 6. रिमझिम–रिमझिम पानी बरसने के बाद क्या हुआ?

अथवा

कवि डॉ. हरिवंशराय बच्चन ने जीवन में क्या–क्या अनिश्चित माना है?

प्रश्न 7. लोक कल्याण कामना से कवि का क्या अभिप्राय है?

अथवा

कवि का आंखें उनींदी से क्या आशय है?

प्रश्न 8. ईश्वर ने रोगों को दूर करने का मनुष्य को क्या उपाय बताया है?

अथवा

भारतेन्दु जी के अनुसार कोरे ज्ञान का परित्याग क्यों करना चाहिए।

प्रश्न 9. पारस में क्या गुण होता है?

अथवा

गोपाल के गले में पड़ी हुई माला की तुलना किससे की गई है?

प्रश्न 10. वसंत ऋतु के आगमन पर प्रकृति में कौन–कौन से परिवर्तन होते है?

अथवा

सिंहगढ़ के दुर्ग में किसकी याद छिपी है?

प्रश्न 11. महाराणा लाखा अपनी विजय को पराजय क्यों मानते है?

अथवा

शिबू ने डाकुओं का प्रतिकार कैसे किया?

प्रश्न 12. पुरूषोत्तम के चरित्र की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

अथवा

तेजस्वी पुरूष लाला लाजपत राय की कोई दो विशेषताएं लिखिए।

प्रश्न 13. पहली चूक कहानी के लेखक ने अंतिम बार शहर जाने का फैसला क्यों किया?

अथवा

राजा दिवान सिंह का आदर क्यों करते थे?

प्रश्न 14. तेरे घर पहिले होता विश्व सवेरा पाठ में कवि देश को आत्मनिर्भर बनाने के लिए क्या चाहता है?

अथवा

निन्दा की प्रवृत्ति से बचने के लिए क्या करना चाहिए।

प्रश्न 15. जहां अप्रस्तुत कथन के द्वारा प्रस्तुत का बोध हो। वहां कौन सा अलंकार होता है? उदाहरण देकर समझाइये।

अथवा

मुक्तक किसे कहते है? किसी एक मुक्तक काल रचना का नाम लिखिए।

प्रश्न 16. निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्य बनाइये –

1. आंख का तारा
2. लोहा लेना
3. कलई खुलना
4. उल्टी गंगा बहाना।

प्रश्न 17. कवि धर्मवीर भारती जी अधूरे सृजन से निराश न होने की बात कहकर क्या संदेश देना चाहते है?

अथवा

यक्ष युधिष्ठिर संवाद से हमें क्या संदेश मिलता है? लिखिए।

प्रश्न 18. निम्नलिखित अशुद्ध वाक्यों को शुद्ध कीजिए।

1. सेठ ज्वाला प्रसाद अच्छा महाजन थे।
2. राम पुस्तक पढ़ती है।
3. सोनू को फेल होने की आशा है।

अथवा

निम्नलिखित शब्द समूहों के शब्द लिखिए।

1. शत्रु का न करने वाला।
2. किसी विषय में विशेष योग्यता रखने वाला।
3. अभी–अभी स्नान किया हुआ।

प्रश्न 19. प्रयोगवाद की चार विशेषताएं लिखिए।

अथवा

रीतिकाल का नाम रीतिकाल क्यों पड़ा समझाकर लिखिए।

प्रश्न 20. रोला छंद की परिभाषा लिखकर उदाहरण दीजिए।

अथवा

स्थायी भाव किसे कहते है? स्थायी भाव और संचारी भाव में अंतर लिखिए। कोई दो।

प्रश्न 21. रिपोर्ताज पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

अथवा

भारतेन्दु युग की दो विशेषताएं लिखकर उस युग के चार निबंधकारों के नाम लिखिए।

प्रश्न 22. कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' अथवा रामवृक्ष बेनीपुरी का साहित्यिक परिचय निम्न बिंदुओं के आधार पर लिखिए :–

1. दो रचनाएँ
2. भाषा शैली
3. साहित्य में स्थान

प्रश्न 23. बिहारी अथवा नागार्जुन की काव्यगत विशेषताएँ निम्न बिन्दुओं के आधार पर लिखिए।

दो रचनाएँ, भावपक्ष, कला पक्ष, साहित्य में स्थान

प्रश्न 24. निम्नलिखित में से किसी एक पद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिए :–

कबहूं ससि मांगत आरि करै, कबहूं प्रतिबिम्ब निहारि डरै।
कबहूं करताल बजाइकै नाचत मातु सबै मन मोद भरै।।

अथवा

छोड़ो मत अपनी आन, सीस कट जाए,
मत झुको अनय पर, भले व्योम फट जाए।
दो बार नही यमराज कंठ मरता है,
तुम स्वयं मरण के मुख पर चरण धरो रे,
जीना हो तो मरने से नहीं डरो रे।

प्रश्न 25. निम्नलिखित में से किसी एक गद्यांश की संदर्भ प्रसंग सहित व्याख्या कीजिएः–

मनुष्य का मस्तिष्क मानवीय विकास का जो पूर्णतय आर्दश बन सकता है। वह हमें कृष्ण में मिलता है। नृत्य, गीत, वादित्र, वाग्मिता, राजनीति, योग, आध्यात्म ज्ञान सबका एकत्र समवाय कृष्ण में पाया जाता है गोदोहन से लेकर राजसूय यज्ञ में पुरोहितो के चरण धोने तक तथा सुदामा की मैत्री सेलेकर युद्ध भूमि में गीता के उपदेश तक उनकी उंचाई का एक पैमाना है, जिस पर सूर्य की किरणों की रंग बिरंगी पेटी की तरह हमें आत्मिक विकास के हर एक स्वरूप का दर्शन होता है।

अथवा

शास्त्रों में सत्य और असत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की गई है। अनेक बार सत्य के स्थान पर मिथ्या भाषाण सत्य से भी बड़ी वस्तु होती है। जीवन में धर्म

से बड़ी कोई चीज नहीं है। धर्म की रक्षा यदि असत्य से होती है तो असत्य सत्य से बड़ा हो जाता है।

प्रश्न 26. निम्नलिखित अपठित गद्यांश को पढ़कर नीचे लिखे प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

मनुष्य के जीवन में आरोग्य का बहुत महत्व है। मनुष्य का जीवन तभी सुखी हो सकता है जब वह निरोगी हो। जो मनुष्य निरोगी होगा वही सब प्रकार के पुरूषार्थ कर सकता है। जो मनुष्य रूग्ण है, जिसके शरीर में शक्ति नहीं है, वह किसी प्रकार का सुख संसार में अनुभव नहीं कर सकता है। अतः शरीर को निरोगी रखना अनिवार्य कर्तव्य है। शरीर की निरोगिता व्यायाम से आती है। व्यायाम के अनेक प्रकार है जैसे घूमना, दौड़ना, तैरना, खेलना आदि। अतः शरीर को सुखमय बनाने के लिये सदा व्यायाम करना चाहिए तथा शरीर को निरोगी रखना चाहिए।

प्रश्न 1. उपर्युक्त गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

प्रश्न 2. उपर्युक्त गद्यांश का सारांश अपने शब्दों में लिखिए।

प्रश्न 3. शरीर में निरोगिता किस प्रकार से लाई जा सकती है।

प्रश्न 27. सचिव, माध्यमिक शिक्षा मण्डल, मध्यप्रदेश भोपाल को अंकसूची की द्वितीय प्रति मंगाने हेतु आवेदन पत्र लिखिए।

अथवा

अपने मित्र को हाईस्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने पर बधाई पत्र लिखिए।

प्रश्न 28. (अ) निम्न लिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 200 शब्दों में निबंध लिखिए?

1. राष्ट्रीयता के आधार
2. जल ही जीवन है।
3. विज्ञान का जीवन पर प्रभाव।

4. खेलों का महत्व।

5. प्राकृतिक आपदा – कारण एवं निदान।

6. मेरी मनोरम – यात्रा

7. पर्यावरण संरक्षण

8. बालिकाओं का घटता अनुपात– कारण और निदान।

(ब) उपरोक्त में से बचे शेष किसी एक निबंध की केवल रूपरेखा लिखिए।

– – – – – –

आदर्श उत्तर

हिन्दी विशिष्ट

कक्षा–X

उत्तर 1. रिक्त स्थान की पूर्ति –

1. वल्लभाचार्य।
2. महाकाव्य।
3. व्यंग्य।
4. देवगढ़।
5. महावीर प्रसाद द्विवेदी।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 2. सही विकल्प का चयन :–

1. पंत।
2. गतिशील।
3. महाराणा लाखा।
4. गुरू।
5. बेटियां।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 3. सही जोडियां बनाइये –

1.	सेवाग्राम	–	महात्मा गांधी
2.	सोलह कलाओं के अवतार	–	श्रीकृष्ण
3.	देशभक्ति	–	तत्पुरूष समास
4.	सूफी संत कवि	–	जायसी

5. प्रसिद्ध आंचलिक उपन्यास – मैला आंचल

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 4. सत्य/असत्य का चयन –

(i) सत्य

(ii) सत्य

(iii) असत्य

(iv) सत्य

(v) सत्य

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 5. एक वाक्य में उत्तर –

1. भगिनी निवेदिता स्वामी विवेकानन्द की शिष्या थी।
2. अमरकंटक शब्द संस्कृत के आम्रकूट शब्द से बना है।
3. बिना विचारे काम करने से पछताना पड़ता है।
4. हिन्दी साहित्य का स्वर्ण युग भक्ति काल को कहते है।
5. जिसके समान कोई दूसरा न हो वह अद्वितीय है।

प्रत्येक सही उत्तर पर 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 6. रिमझिम–रिमझिम पानी बरसने के बाद आसमान खुलकर स्वच्छ और नीला दिखलाई देने लगा तथा धुप खिल गई।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवि के अनुसार जीवन पथ में है अनिश्चित कब सुनन, कब कंटकों केशर मिलेंगे। कौन सहसा छूट जायेगे, मिलेंगे कौन सहसा। अतः जीवन पथ सर्वथा अनिश्चत है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 7. लोक कल्याण कामना से कवि का अभिप्राय जन–जन की सेवा एवं कल्याण की भावना से है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

कवयित्री के अनुसार पथिक को लम्बी यात्रा पर जाना है अत्यधिक थकान और व्यस्तता के कारण उसकी आंखे उनींदी सी लगती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 8. ईश्वर ने रोगों को दूर करने के लिए विविध प्रकार की औषधियां संसार में उपलब्ध करा दी है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

क्योंकि जीवन में सिर्फ ज्ञान से ही काम नहीं चलता उसके लिये एकता एवं कर्मठता की भी उतनी ही आवश्यकता होती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 9. पारस एक ऐसा पत्थर है जिसके छूने से लोहा भी सोने में परिणित हो जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गोपाल के गले में पड़ी गुंजा की माला लाल होने के कारण किसी दावानल (अग्नि) के समान प्रतीत हो रही है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 10. बसंत ऋतु में प्रकृति अपने चरम सौन्दर्य को प्राप्त करती है। जिसके कारण भौंरे गुंजार करती है। कलियां खिल उठती है। पक्षियों का कलख सुनाई देता है इत्यादि।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अकबर के सेनापति राजा मानसिंह तथा मेवाड़ के शासक महाराणा प्रताप की यादें छिपी हुई है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 11. महाराणा लाखा को अपने दंम्म का रहसास होता है। तब वे अपनी जीत को घर की संज्ञा देते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शिबू ने छाती तानकर डाकुओं से कहा– मैं रूपये नहीं दूंगा। डाकु द्वारा बन्दुक के कुन्दे से आक्रमण को उसने हाथ से रोक लिया। पांचों डाकुओं का उसने जमकर मुकाबला किया और रूपये लुटने से बचा लिये।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 12. पुरूषोत्तम सत्यवादी, धर्मशील एवं आचार निष्ठ व्यक्ति है। तर्कशीलता उनके व्यक्तित्व की विशेषता है। किसी भी कार्य को करने से पहले वे धैर्य पूर्वक विचार करते है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

लाला लाजपतराय की कलम और वाणी में तेजस्विता की अद्‌भूत प्रतिमा थी। देश की पराधीनता को दूर करने के लिए लालाजी ने रक्त के दीपक जलाएं।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 13. कृषि पर रिसर्च (अनुसंधान) करने हेतु लेखक ने अन्तिम बार शहर जाने का फैसला किया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

अनुभवशील एवं नीति कुशल होने के कारण, दीवान सुजान सिंह आदर के योग्य है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 14. कवि श्रम वीरों एवं युद्ध वीरों से अपेक्षा करता है कि वे देश को आत्मनिर्भर बनाएं। अपने चिन्तन एवं अविष्कारों से देश को आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

हीनता और कमजोरी के कारण लोक निन्दक बन जाते है। निन्दा कर वह स्वयं को दूसरों से श्रेष्ठ बनाने का प्रयत्न करते है। अतः अपनी कमियों को दूर करके निंदा की प्रवृत्ति से बचा जा सकता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 15. दी गई परिभाषा में अन्योक्ति अलंकार है।

उदाहरण– माली आवत देखकर, कलियन करी पुकार।

फूले फूले चुन लिए, काल्ह हमारी बार।।

उपरोक्त उदाहरण में माली, कलियों और फूल प्रस्तुत कथन है। प्रस्तुत कथन है – काल, युवा और वृद्ध पुरूष।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

एक निरपेक्ष और स्वतंत्र रचना को मुक्तक काल कहते है। मुक्तक काव्य के उदाहरण सूर, तुलसी, मीरा, कबरी आदि के दोहे है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 16. मुहावरें –

1. आंख का तारा – अत्यधिक प्रिय।

   प्रयोग– सुपुत्र अपनी माता के आंख का तारा होता है।

2. लोहा लेना–सामना करना।

   प्रयोग– रानी लक्ष्मीबाई ने अंग्रेजों से लोहा लिया।

3. कलई खुलना – भेद खुलना।

   प्रयोग– उसने चोरी की, पकड़े जाने पर उसकी कलई खुल गई।

4. उल्टी गंगा बहाना – विपरीत कार्य करना।

   प्रयोग– लड़की द्वारा विवाह प्रस्ताव भेजना उल्टी गंगा बहाने के समान है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 17. कवि के अनुसार अधूरे सृजन मन में नकारात्मक भावना उत्पन्न करता है। इससे निराश होने की आवश्यकता नहीं है क्योंकि संसार की कोई भी वस्तु पूर्ण नहीं होती है। अतः निरंतर सृजन करना और अधूरे सृजन से निराश न होना ही जीवन है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

यक्ष युधिष्ठिर संवाद हमें सीख देता है कि जीवन की बड़ी से बड़ी बाधा पर त्वरित बुद्धि, नीति निपुणता, विनम्रता, पक्षपात, विहीनता, तर्क सम्मतता से विजय हासिल की जा सकती है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 18. शुद्ध वाक्य–

1. सेठ ज्वाला प्रसाद अच्छे महाजन थे।
2. राम पुस्तक पढ़ता है।
3. सोनू को फेल होने की आशंका है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

शब्द समूह –

1. शत्रुघ्न।
2. विशेषज्ञ।
3. सघन्नता।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 19. प्रयोग वाद की विशेषताएं –

1. घोर अहंनिष्ठ व्यक्तिवाद।
2. नग्न यथार्थ।
3. अति बौद्धिकता।
4. रीतिकाल की आवृत्ति।

5. अपमानों की नवीनता।

6. भाषा के क्षेत्र में नवीन प्रयोग।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रीति का सामान्य अर्थ शैली है। विशिष्ट पद रचना को रीति कहते है। किन्तु रीति का अर्थ काव्य शास्त्रीय लक्षण भी है। रस, छन्द, अलंकार, नायिका भेद संबंधी भाव लक्षणों के उदाहरण स्वरूप रीतिकाल की रचनाएं लिखी गई। इन्हीं प्रवृत्तियों के आधार पर इसका नाम रीतिकाल रखा गया।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 3 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 20. यह एक सम मात्रिक छन्द है। इसमें चार चरण होते है, प्रथम और तृतीय चरण में 11–11 तथा द्वितीय ओर चतुर्थ चरण में 13–13 मात्राएं होती है। प्रत्येक पंक्ति में कुल 24 मात्राएं और अंत में दो गुरू होते है।

उदाहरण –

नव उज्जवल जलधार हार हीरक–सी–सोहति,
बिच–बिच छहरति बूंद, मध्य मुक्ता मनि पोहति।
लोल लहर बहि पवन, एक पै एक इमि आवत,
जिमि नर गन विविध, मनोरथ करत मिटावत।।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

स्थायी भाव– ऐसे भाव जो मानव के मन में सुव्यवस्था में उपस्थित रहते है। अनुकूल वातावरण मिलने पर जागृत हो उठते है, ऐसे भावों को स्थायी भाव कहते है। प्रत्येक रस का एक स्थायी भाव होता है।

अंतर–

1. स्थायी भाव उत्पन्न होकर शीघ्र नष्ट नहीं होते है किन्तु संचारी भाव पानी के बुलबुल के समान नष्ट हो जाते है।
2. प्रत्येक रस का एक स्थायी भाव होता है किंतु एक ही रस के कई संचारी भाव हो सकते है।
3. स्थायी भावों की संख्या 10 है। संचारी भावोंकी संख्या 33 मानी गई है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 2 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 21. रिपोर्ताज एक नवीन साहित्यिक विद्या है। इसका गद्य साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है। हाल ही में घटी घटना तथा लेखक द्वारा प्रत्यक्ष देखी गई घटनाओं का अंतरंग अनुभव के साथ किया गया वर्णन रिपोर्ताज कहलाता है। पत्रकारिता में इसका विशेष प्रयोग किया जाता है।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

भारतेन्दु युग की विशेषताएं –

1. निबंधों की विषयवस्तु में विविधता।
2. निबंधकार के व्यक्तित्व की छाप।
3. भाषा में मुहावरों, लोकोक्तियों का अतिशय प्रयोग।
4. देशज और ग्रामीण शबदों का प्रयोग।

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 22. **कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' –**

1. रचनाएं :– जिन्दगी मुस्कुराई, माटी को गई सोना।

2. **भाषा शैली :–** प्रभाकर जी की भाषा सरल एवं स्वाभाविक है। अन्य भाषाओं के प्रचलित, अर्थपूर्ण प्रवाहमान शबदों का खुलकर प्रयोग किया है। भाषा में मुहावरे एवं लोकोक्तियों का प्रयोग हुआ है। गद्य शैली में भावों एवं विचारों के प्रवाह के साथ–साथ विषय का सुंदर विवेचन किया है।
3. **साहित्य में स्थान** :– विचारों की उच्चता, आचरण की पवित्रता, जीवन में सादगी आपके व्यक्तित्व की विशेषताएं थी। हिन्दी गद्यकारों में आपका विशिष्ट स्थान है।

रचनाएं 1 अंक, भाषा शैली 2 अंक, साहित्य में स्थान 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

रामवृक्ष बेनीपुरी –

1. **रचनाएं** :– गेहूं बनाम गुलाब, मशाल, माटी की मूरतें आदि।

2. **भाषा शैलीः–** सरल, शुद्ध साहित्यिक खड़ी बोली का प्रयोग। तत्सम, देशज, विदेशी, आदि शब्दों का प्रयोग। छोटे–छोटे वाक्यों का प्रयोग। भाषा में ओज गुण की प्रधानता। अलंकारिक भाषा का प्रयोग। लक्षणा व व्यंजना शब्द शक्ति का प्रयोग। मुहावरों व कहावतों के प्रयोग से भाषा में सजीवता पूर्णतः विद्यमान है। रचनाओं में वर्णनात्मक, आलोचनात्मक, चित्रोपम शैली, भावात्मक एवम् प्रतीकात्मक शैली का उपयुक्त प्रयोग।

3. **साहित्य में स्थान** :– हिन्दी साहित्य में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के रूप में प्रसिद्ध, श्रेष्ठ आलोचक, उपन्यासकार, निबंधकार, सशक्त रेखाचित्रकार के रूप में साहित्य जगत में विशिष्ट स्थान।

रचनाएं 2 अंक, भाषा शैली 2 अंक, साहित्य में स्थान 1 अंक कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 23. **कवि परिचय – बिहारी**

1. **रचनाएं** :– बिहारी सतसई, 719 दोहे।
2. **भाव पक्ष :–** बहुमुखी प्रतिभा संपन्न कवि बिहारी मुख्यतः श्रंगार रस के कवि है। श्रंगार रस के दोहे के अतिरिक्त बिहारी ने भक्तिपरक, नीतिपरक, ज्योतिष, वैराग्य दर्शन, प्रकृति चित्रण, नख–शिख वर्णन, षऋतु वर्णन, नायिका, भेद आदि विषयों पर बड़े भावपूर्ण एवं प्रभावोत्पादक दोहे की रचना की।
3. **कला पक्ष :–** बिहारी के एक–एक दोहे में अपनी शब्द प्रतिभा से, अभिव्यंजना एवं लाक्षणिक प्रयोग से नायक–नायिका के भावों के ऐसे शब्द चित्रण प्रस्तुत किये है कि चमत्कृत रह जाना पड़ता है।

रचनाएं 1 अंक, भाषा शैली 1 अंक साहित्य में स्थान 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

नागार्जुन –

रचनाएं :– प्यासी पथराई आंखे, सतरंगे पंखों वाली, खून और शोले, प्रेत का बयान आदि।

भाव पक्षः– यथार्थवादी दृष्टिकोण। शोषितों के प्रति सहानुभूति एवं शोषण के प्रति विद्रोह का स्वर मुखरित। प्रकृति के साकार स्वरूप का मनोहारी वर्णन। सम सामयिक गतिविधियों जैसे भ्रष्टाचार, नेताओं की स्वार्थ परकता पर करारे व्यंग्य।

कलापक्ष :– रचनाओं में खड़ी बोली का प्रयोग। भाषा में सरलता, सुबोधता, स्पष्टता एवं मार्मिकता जैसी विशेषताएं समाहित। काव्य में छन्द बद्ध एवं छन्द मुक्त दोनों का प्रयोग।

साहित्य में स्थान :– जनमानस की आशाओं, आकांक्षाओं को वाणी प्रदान करने वाले कवि के रूप में विख्यात। अपनी बात को दमदारी से रखने वाले कवि के रूप में साहित्य में महत्वपूर्ण स्थान है।

रचनाएं 1 अंक, भाव पक्ष 1 अंक, कला पक्ष 1 अंक साहित्य में स्थान 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 24. पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– प्रस्तुत पद्य वात्सल्य भाव पाठ के कवितावली शीर्षक से अवतरित है। इसके रचयिता गोस्वामी तुलसीदास जी है।

प्रसंग :– प्रस्तुत पद्य में बालक राम की पल–पल परिवर्तित सुलभ चेष्टाओं का वर्णन किया है।

व्याख्या :– बालक राम कभी चन्द्रमा को मांगने का हठ करते है तो कभी अपनी परछाई देखकर डर जाते है। कभी दोनों हाथों से ताली बजाकर नाचते है तो सभी माताएं मन में प्रसन्नता का अनुभव करती है।

विशेष :–

1. बच्चे के पल–पल बदलने वाले चंचल स्वभाव का वर्णन कियाहै।
2. वात्सल्य रस प्रधान है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

पद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– उद्‌बोधन, कवि– रामधारी सिंह दिनकर

प्रसंग :– आन के लिए अपने प्राणों को बलिदान करने की बात कही गई है।

व्याख्या :– मनुष्य का चाहे सिर कट जाए पर उसे अपनी आन नही छोड़नी चाहिए। चाहे आकाश फट जाए अर्थात बडे से बडा कष्ट आ जाए, अनीति के सामने कभी नहीं झुकना चाहिए। क्योंकि मृत्यु जो निश्चित है एक बार ही आती है। हर प्राणी संसार में एक ही बार मरता है। अतः मनुष्य को निर्भीक होकर अपनी आन के लिए स्वयं को मृत्यु के मुख में झोंक देना चाहिए। तभी सम्मान का जीवन जीना संभव होगा।

विशेष :–

1. खड़ी बोली का प्रयोग है।
2. वीर रस और ओज गुण है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 1 अंक, विशेष 1 अंक कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 25. गद्यांश की व्याख्या

संदर्भ :– लेखक– वासुदेव शरण अग्रवाल। पाठ– महापुरूष श्रीकृष्ण

प्रसंग :– श्रीकृष्ण के सर्वगुण सम्पन्न व्यक्तित्व को उजागर किया गया है।

व्याख्या :– श्रीकृष्ण मं मानव मस्तिष्क का पूर्णतम विकसित रूप विद्यमान था। सभी कलाएं, आध्यात्म, दर्शन, चिंतन, ज्ञान आदि का समन्वित रूप कृष्ण के व्यक्तित्व में समाहित था। गाय दुहने के छोटे कार्य से लेकर अश्वमेद्य यज्ञ में पुरोहितों के चरण धोने तक कार्य कृष्ण ने किया। उन्होंने अपने दीन–हीन मित्र सुदामा के साथ मित्रता का निर्वाह किया तो महाभारत के रण क्षेत्र में गीता का उपदेश देकर एक आदर्श मानदण्ड भी स्थापित किया। उनके द्वारा दिया गया गीात का ज्ञान मानव जीवन के आध्यामिक पक्ष के हर रूप को रंग बिरंगी किरणों की तरह आलोकित करता है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

गद्यांश की व्याख्या –

संदर्भ :– लेखक– सेठ गोविन्ददास। पाठ– सच्चा धर्म।

प्रसंग :– यहां बताया गया है कि धर्म की रक्षा हेतु बोला गया असत्य सत्य से भी बड़ा होता है।

व्याख्या :– अपनी पत्नि अहिल्या को समझाते हुए पुरूषोत्तम कहते है कि शास्त्रों में सत्य और असत्य की व्याख्या बड़ी बारीकी से की गई है। बहुत बार ऐसी स्थिति होती है कि सत्य से झूठ अधिक श्रेष्ठ हो जाता है। मानव जीवन में धर्म सबसे महत्वपूर्ण होता है। यदि झूठ से धर्म सुरक्षित होता है तो झूठ सत्य से भी बड़ा हो जाता है।

संदर्भ 1 अंक, प्रसंग 1 अंक, व्याख्या 2 अंक, कुल 4 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 26. अपठित गद्यांश

उत्तर 1. शीर्षक – सबसे बड़ा धन।

उत्तर 2. सारांश :– छात्र स्वविवेक से गद्यांश का सारांश लिखेगा।

उत्तर 3. शरीर में निरोगिता व्यायाम से लाई जाती है।

उपरोक्तानुसार सही उत्तर पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 27.

प्रति,

सचिव,

शा.उ.मा.वि.

भोपाल (म.प्र.)

विषयः– अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने हेतु।

महोदय

विनम्र निवेदन है कि मैंने कक्षा दसवीं की परीक्षा सन् 2009 में उत्तीर्ण की थी किन्तु मेरी अंकसूची खो गई है। कृपया मुझे अंकसूची की द्वितीय प्रति भेजने का कष्ट करें। इसके लिए निर्धारित शुल्क बैंक ड्राफ्ट क्र. 52051 आपके नाम भेज रहा हूँ।

मुझसे संबंधित जानकारी इस प्रकार है :–

1. नाम – अंकित दुबे
2. पिता का नाम – श्री सतीश दुबे
3. परीक्षा – कक्षा दसवीं (2009)
4. परीक्षा केन्द्र – शा.उ.मा.वि., बरगीनगर
5. परीक्षा केन्द्र क्र. – 711068
6. अनुक्रमांक – 2010178
7. नियमित/स्वाध्यायी– नियमित
8. पूरा पता – अंकित दुबे पिता श्री सतीश दुबे
एच–108, बरगीनगर, जबलपुर (म.प्र.)
9. संलग्न– बैंक ड्राफ्ट।

आवेदक

दिनांक

अंकित दुबे

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

अथवा

<u>परीक्षा में उत्तीर्ण होने पर बधाई पत्र</u>

28, जूनी इन्दौर
इन्दौर
दि. 25 जून 2011

प्रिय मित्र राजेश,

सप्रेम नमस्कार,

आज प्रातःकाल 'राज एक्सप्रेस' में तुम्हारा परीक्षा परिणाम देखा। जैसे ही तुम्हारा अनुक्रमांक प्रथम श्रेणी वाली तालिका में दिखा मैं खुश हो गया। इस सफलता की तुम्हें हार्दिक बधाई। ईश्वर से प्रार्थना है कि तुम जीवन की प्रत्येक परीक्षा में इसी तरह उत्तीर्ण होते रहो।

अन्य समाचारों की जानकारी देना। घर पर अंकल–आंटी को मेरा नमस्ते कहना।

तुम्हारा मित्र
सुरेश मालवीय
आजाद नगर, भोपाल

उपरोक्तानुसार लिखने पर कुल 5 अंक प्राप्त होंगे।

उत्तर 28. **(अ) निबंध लेखन–**

राष्ट्रीयता के आधार

प्रस्तावना :– राष्ट्रीयता का महत्व।

राष्ट्र की परिभाषा :– भाषा, जाति, संस्कृति, इतिहास आदि में युक्त जन समूह। स्वतंत्रता को अक्षुण्य बनाये रखने के लिए किये गये प्रयास।

राष्ट्रीयता क अनिवार्य तत्व :– भावात्मक गुण, सामाजिक एकता, राजनैतिक समाज की व्यवस्था। सम्मान सहित स्वाधीनता पूर्वक जीवन यापन की उत्कृष्ट अभिलाषा। समान जातीय भावना, समान धर्म, समान भाषा, आर्थिक स्वार्थों में समानता तथा समान शासन।

राष्ट्रीयता के गुण :– आत्मिक हीनता की समाप्ति तथा स्वाभिमान की जागृति। राष्ट्र का कल्याण, व्यक्ति के संकुचित स्व का परित्याग। विश्व बंधुत्व की भावना का उदय। संकल्पों और विचारों में दृढ़ता। स्वाधीनता के प्रति अडिग आस्था।

आधुनिक युग में राष्ट्रीयता का स्थान :– राष्ट्रीयता अन्तर्राष्ट्रीयता में परिवर्तित। संकुचित स्व पर आधारित राष्ट्रीयता का परित्याग। सह अस्तित्व के सिद्धांत का प्रचार और प्रसार। विश्व एक परिवार।

उपसंहार :– सुख और शांति के लिए संकुचित स्व को छोड़ स्वतंत्र राष्ट्र के लिए राष्ट्रीयता तथा विश्व के लिए अन्तर्राष्ट्रीयता अत्यंत आवश्यक है।

कुल 7 अंक

(ब) रूपरेखा –

विज्ञान का जीवन पर प्रभाव

1. प्रस्तावना।
2. विज्ञान : एक वरदान, अभिशाप।
3. स्वास्थ्य।
4. कृषि और उद्योग।
5. शिक्षा और मनोरंजन।
6. जीवन उपयोगी सामग्री।
7. उपसंहार।

कुल 3 अंक

निर्देशः– निबंध लिखते समय एवं रूपरेखा लिखते समय क्रमबद्धता भूमिका, विवेचना या वर्णन एवं उपसंहार अर्थात मुख्य भाव आकर्षक ढंग से प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

– – – – –